ग्लोबल एनर्जी ट्रान्जिशन में सिल्वर नई आशा की किरणः अरुण मिश्रा

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। अरुण मिश्रा (मुख्यकार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड) ने बताया वर्तमान में ग्लोबल एनर्जी ट्रान्जिशन उद्योगों को नया आकार दे रहे हैं और अर्थव्यवस्थाओं को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। इस परिवर्तन के केंद्र में जिंक, सिल्वर, कोबाल्ट, कॉपर और निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की अत्यधिक मांग है। ये आवश्यक धातुएँ नयी तकनीक और पारंपरिक उपयोग दोनों के लिए आवश्यक हैं। सौलर पैनल और विंड टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक, ये धातुएँ सस्टेनेबल भविष्य को आगे बढ़ा रही हैं। नवीन तकनिकों का विकास अत्यधिक खनिज आधारित होगा, जो धातुओं और खनन क्षेत्र को इस तीव्र बदलाव में आधारशिला के रूप में स्थापित करेगा। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, उद्योग को भविष्य के लिए तैयार रहना होगा जो कि भारत और वैश्विक बाजार के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ी हुई आपूर्ति सुनिश्चित करें। ग्लोबल ट्रेंड के अनुरूप, भारत की चांदी की मांग भी ऊपर की ओर बढ़ रही है, जो मुख्य रूप से दो क्षेत्रों आभूषण और औद्योगिक उपयोग द्वारा संचालित हैं।

औद्योगिक मांग, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और सौर ऊर्जा में बढ़ रही है, क्योंकि इन उद्योगों को ऐसी सामग्री की आवश्यकता होती है जो सुचालक और स्थायी दोनों हों। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बढ़ती प्रगति ईवी, 5 जी तकनीक, परिवहन, नैनो टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, वियरेबल्स, कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर में एनर्जी सहित विभिन्न उपयोग उद्योगों में चांदी की आवश्यकता को और बढ़ाएगी।